

प्रेषक,

मनीषा पंवार

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक,

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक 27 मई, 2008

विषय : उपचारिका संवर्ग के कार्मिकों को वर्दी भत्ते, नर्सिंग एवं बोर्डिंग भत्ते (पौष्टिक आहार भत्ता) एवं धुलाई भत्ते की दरों में वृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3प/पैरा/उप0/153/05/6716, दिनांक 23 फरवरी, 2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या-ए-2390/16-13-89, दिनांक 22 अगस्त, 1989 द्वारा उपचारिका संवर्ग के कर्मियों हेतु वर्दी भत्ते के रूप में रू0 750/- की स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिसके आधार पर उत्तराखण्ड राज्य में उपचारिका संवर्ग के कर्मियों को वर्दी भत्ते के रूप में रू0 750/- अनुमन्य/स्वीकृत है, जबकि शासनादेश संख्या-2889/16-13-89-एन(111)/84, दिनांक 18 अगस्त, 1989 द्वारा स्वीकृत पौष्टिक आहार भत्ते रू0 100/- (प्रतिमाह) तथा वर्दी धुलाई भत्ते के रूप में रू0 20/-(प्रतिमाह) उत्तराखण्ड राज्य में उपचारिका संवर्ग के कर्मियों को अनुमन्य है।

2- उक्त के अतिरिक्त पूर्ववर्ती राज्य उत्तर प्रदेश में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अन्तर्गत कार्यरत उपचारिका संवर्ग के कर्मियों को शासनादेश संख्या-4200/5-11-2005-एन-23/99, दिनांक 11 नवम्बर, 2005 एवं शासनादेश संख्या-4049/(1)-5-11-2006, दिनांक 06 नवम्बर, 2006 द्वारा वर्दी भत्ते, धुलाई भत्ते एवं नर्सिंग व बोर्डिंग भत्ते (पौष्टिक आहार भत्ता) की दरों में वृद्धि करते हुये क्रमशः रू0 1437.50/-, रू0 50/-(प्रतिमाह) एवं रू0 115/-(प्रतिमाह) अनुमन्य किया गया है, जिसके अनुक्रम में शासन स्तर पर सम्यक् विचारोपरान्त वर्तमान मंहगाई की वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुये उपचारिका संवर्ग के कर्मियों की वर्दी भत्ते की वर्तमान दर रू0 750/- में वृद्धि करते हुये रू0 1437.50 (रू0 एक हजार चार सौ सैंतीस तथा पैसे पचास मात्र) एवं नर्सिंग व बोर्डिंग भत्ते (पौष्टिक आहार भत्ता) की वर्तमान दर रू0 100/- को बढ़ाकर रू0 115/-(रू0 एक सौ पन्द्रह मात्र) प्रतिमाह तथा वर्दी धुलाई भत्ते की वर्तमान दर में वृद्धि करते हुये रू0 50/-(रू0 पचास मात्र) प्रतिमाह तात्कालिक प्रभाव से अनुमन्य किये जाने की राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3- उक्त भत्तों के सम्बन्ध में पूर्व में निर्गत समस्त आदेश उक्त सीमा तक संशोधित समझे जायेंगे तथा इस सम्बन्ध में निर्गत हुये पूर्व शासनादेश की अन्य शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय आय-व्ययक के उसी अनुदान के संयत व्योरेवार शीर्ष के नामें डाला जायेगा, जिसके अन्तर्गत उपचारिका कर्मियों का वेतनादि आहरित किया जाता है।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-971/XXVII(7)/2008 दिनांक 27 मई, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(मनीषा पंवार)

सचिव

संख्या: 7/4/XXVIII-3-2008-32/2008, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. अपर निदेशक (चिकित्सा उपचार), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पौड़ी/नैनीताल।
4. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षक, जिला/बेस/संयुक्त चिकित्सालय, उत्तराखण्ड।
6. वित्त अनुभाग-3/7, उत्तराखण्ड शासन।
7. गार्ड फाईल/एन0आई0सी0।

आज्ञा से,

(सुनीलश्री पांथरी)

उप सचिव।